Title: Demand to increase the reservation of constituencies for Scheduled Castes (SCs) from three to Six in Lok Sabha and from eighteen to thirty six in Legislative Assembly of Maharashtra.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : महाराष्ट्र में 14 अक्तूबर, 1950 के दिन बाबा साहेब अम्बेडकर के साथ लाखों अनुसूचित जाति के लोगों ने बुद्धिज्म को स्वीकारा था। तब महाराष्ट्र में इनके लिए आरक्षित लोक सभा की सीटों की संख्या छः थी और विधान सभा में 36 थीं। लेकिन वहां के दलित लोगों के बौद्ध बनने के बाद इनमें कमी आ गई और लोक सभा की तीन तथा विधान सभा की 18 सीटें ही आरक्षित रह गई हैं। मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि डीलिमिटेशन की आवश्यकता नहीं है। 1991 में वी.पी. सिंह जी ने अनुसूचित जाति के लोगों को बौद्धों वाली सुविधा दी इसलिए मेरी मांग है कि वहां लोक सभा की तीन की जगह छः और विधान सभा की 18 की जगह 36 सीटें उनके लिए आरक्षित की जाएं।